18(बी): भारत में वाणिज्यिक क्षेत्र को बकाया ऋण

स्रोत	(₹ करोड़)						प्रतिशत संवृद्धि			
	मार्च के अंत तक			31 जनवरी तक			मार्च के अंत तक		31 जनवरी तक	
	2023	2024	2025	2024	2025	2026 P	2023 की तुलना में 2024	2024 की तुलना में 2025	2024 की तुलना में 2025	2026 की तुलना में 2025 पी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1 गैर-खाद्य बैंक ऋण	**1,36,55,330**	**1,64,09,083**	**1,82,07,441**	**1,59,97,973**	**1,78,12,300**	**2,03,86,087**	**20.2**	**11.0**	**11.3**	**14.4**
2 गैर-बैंक स्रोत (2.1+2.2)	**74,43,091**	**77,57,256**	**88,86,394**	**74,87,640**	**84,30,354**	**97,01,912**	**4.2**	**14.6**	**12.6**	**15.1**
2.1 घरेलू स्रोत	**53,95,038**	**56,59,037**	**66,37,411**	**53,83,748**	**62,17,911**	**72,79,939**	**4.9**	**17.3**	**15.5**	**17.1**
2.1.1 गैर-वित्तीय संस्थाओं द्वारा कॉर्पोरेट बॉन्ड जारी करना	16,58,140	18,25,514	20,23,310	17,34,350	19,31,027	22,69,061	10.1	10.8	11.3	17.5
2.1.2 गैर-वित्तीय संस्थाओं द्वारा वाणिज्यिक पत्र जारी करना	89,816	1,09,528	1,28,347	1,26,767	1,64,584	1,77,047	21.9	17.2	29.8	7.6
2.1.3 आवास वित्त कंपनियों द्वारा ऋण (बैंक उधार घटाकर)	10,39,420	5,98,965	6,27,125	5,80,707	5,95,610	6,22,990	-42.4	4.7	2.6	4.6
2.1.4 आरबीआई-विनियमित अखिल भारतीय वित्तीय संस्थानों द्वारा ऋण	3,51,224	4,24,610	5,24,111	3,70,130	4,53,669	5,13,589	20.9	23.4	22.6	13.2
2.1.5 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों द्वारा ऋण (बैंक ऋण घटाकर)	22,56,439	27,00,421	33,34,518	25,71,794	30,73,021	36,97,252	19.7	23.5	19.5	20.3
2.2 विदेशी स्रोत	**20,48,053**	**20,98,219**	**22,48,983**	**21,03,892**	**22,12,443**	**24,21,973**	**2.4**	**7.2**	**5.2**	**9.5**
2.2.1 गैर-वित्तीय संस्थाओं द्वारा बाह्य वाणिज्यिक ऋण	10,29,403	10,72,181	11,34,552	10,71,154	11,18,056	12,40,363	4.2	5.8	4.4	10.9
2.2.2 विदेश से अल्पकालिक ऋण	10,18,650	10,26,037	11,14,432	10,32,738	10,94,386	11,81,610	0.7	8.6	6.0	8.0
3 कुल ऋण (1+2)	**2,10,98,421**	**2,41,66,339**	**2,70,93,835**	**2,34,85,613**	**2,62,42,654**	**3,00,87,999**	**14.5**	**12.1**	**11.7**	**14.7**

पी: अनंतिम।

स्रोत संख्या: 2.1.1, 2.1.3, 2.1.4 और 2.2.1 से कॉलम 5, 6 और 7 के डेटा का कवरेज:नवंबर के अंत तक।

2.1.5 और 2.2.2: सितंबर के अंत तक।

टिप्पणियाँ: i. गैर-खाद्य बैंक ऋण अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) से संबंधित है और इसमें सहकारी बैंकों द्वारा दिये गए ऋण शामिल नहीं है। सहकारी बैंकों (जैसे, शहरी सहकारी बैंक, राज्य सहकारी बैंक और जिला केंद्रीय सहकारी बैंक) द्वारा प्रदत्त ऋण सहित, मार्च 2023 और 2024 के अंत तक गैर-खाद्य बैंक ऋण क्रमशः ₹1,46,22,252 करोड़ और ₹1,74,63,724 करोड़ था। तदनुसार, मार्च 2023 और 2024 के अंत में कुल बकाया ऋण क्रमशः ₹2,20,65,343 करोड़ और ₹2,52,20,038 करोड़ था।

ii. गैर-बैंक स्रोतों के आंकड़ों में घरेलू स्रोतों के अंतर्गत इक्विटी और हाइब्रिड उपकरणों के निर्गमन और विदेशी स्रोतों के अंतर्गत इक्विटी में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश शामिल नहीं हैं।

iii. कॉर्पोरेट बॉन्ड के मामले में, मार्च 2024 और 2025 के अंत के बकाया आंकड़े वित्तीय और गैर-वित्तीय निगमों द्वारा जारी बॉन्ड पर सेबी के नए आंकड़ों की शृंखला पर आधारित हैं। मार्च 2023 के अंत के बकाया आंकड़े मार्च 2024 के अंत के बकाया आंकड़ों से 2023-24 के प्रवाह को समायोजित करके निकाले गए हैं।

iv. ऑल इंडिया फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशंस (AIFIs) द्वारा दिए गए क्रेडिट में एससीबी, एनबीएफ़सी और एचएफ़सी को दी जाने वाली रीफाइनेंसिंग, और घरेलू व विदेशी सरकारों/संस्थानों को दिए जाने वाले सीधे लोन शामिल नहीं होते हैं।

v. बकाया आंकड़ों पर आधारित प्रवाह सारणी 18 (ए) में दिए गए प्रवाह से मेल नहीं खा सकते हैं, इसके कारण निम्नलिखित हैं:
ए) 1 जुलाई, 2023 को एचडीएफसी लिमिटेड का एचडीएफसी बैंक में विलय;
बी) कुछ आवास वित्त कंपनियों का गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों में रूपांतरण; और
सी) विदेशी स्रोतों के मामले में मूल्यांकन प्रभाव।

vi. गैर-वित्तीय गैर-सरकारी सार्वजनिक और निजी लिमिटेड कंपनियों के मामले में घरेलू देनदारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले वर्तमान और गैर-वर्तमान व्यापार देयताओं को आंकड़ों में शामिल नहीं किया गया है, क्योंकि ऐसे आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं।

स्रोत: आरबीआई; सेबी; एआईएफआई; और आरबीआई स्टाफ अनुमान।